कर राजस्व संग्रह संबंधी रुझान

स्रोत: IE

हाल ही में **वित्त मंत्रालय** के अंतर्गत केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) **द्वारा जारी आँकड़ों से वित्त वर्ष 2023-24 के लिये कर राजस्व** संग्रह संबंधी रुझान प्राप्त हुए हैं।

- **वित्त वर्ष 2023-24 में** प्रत्यक्ष कर बढ़कर कुल राजस्व का **56.72%** हो गया, **जो 14 वर्षों में सर्वाधिक है,** जबकि अप्रत्यक्ष कर घटकर **43.28% के स्तर पर पहुँच गया**।
    - प्रत्यक्ष कर **सीधे करदाता पर लगाया जाता है** और जिस व्यक्ति (न्यायिक या प्राकृतिक) पर यह लगाया जाता है, उसके द्वारा **सरकार को सीधे भुगतान किया जाता है।**
    - अप्रत्यक्ष कर वह कर है जो किसी **मध्यस्थ (जैसे कि स्टोर) द्वारा** उस व्यक्ति से वसूला जाता है जो **अंततः इसका भुगतान करता है (अर्थात् ग्राहक)**। करदाता **इस कर को** दूसरों पर आरोपित कर सकता है।
- व्यक्तिगत आयकर (PIT) (**10.45 लाख करोड़ रुपए)** संग्रह निगम/कॉर्पोरेट कर **(9.11 लाख करोड़ रुपए)** से अधिक रहा।
- प्रत्यक्ष कर-जीडीपी अनुपात 20 वर्षों के उच्चतम स्तर **6.64% पर पहुँच गया**।
- वर्ष 2023-24 में कर उछाल (Tax buoyancy) बढ़कर **2.12 हो गया।**
    - **2 से अधिक** कर उछाल का अर्थ है कि कर राजस्व नाममात्र/नॉमिनल GDP **की तुलना में दोगुने से अधिक तेज़ी से बढ़ा है** , जो मज़बूत कर संग्रह वृद्धि को दर्शाता है।
- शीर्ष 3 प्रत्यक्ष कर संग्रहकर्त्ता राज्य: **महाराष्ट्र (39%), कर्नाटक (12%) और दिल्ली (10.4%)**।

और पढ़ें: वैयक्तिक आयकर और अप्रत्यक्ष कर की बढ़ती हिस्सेदारी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/trends-in-tax-revenue-collection